



गुणानां त्वा गुणपतिः हवामहे कविं कवीनामुपमश्रवस्तमम् ।
ज्येष्ठराजं ब्रह्मणां ब्रह्मणस्पत आनशृण्वन्नृतिभिस्सीदसादनम् ॥

गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णुर्गुरुर्देवो महेश्वरः ।
गुरुस्साक्षात् परब्रह्मा तस्मै श्री गुरवे नमः ॥

अज्ञान तिमिरान्धस्य ज्ञानाञ्जन शलाकया ।
चक्षुरुन्मीलितं येन तस्मै श्री गुरवे नमः ॥

अखण्ड मण्डलाकारं व्याप्तं येन चराचरम् ।
तत्पदं दर्शितं येन तस्मै श्री गुरवे नमः ॥

सङ्गीत पुस्तकम्

गुरु : श्री श्रीधर नरसिहान्

अनुक्रमणिका

सरल वरसे	१
दीर्घ वरसे	३
दाट्ट वरसे	५
मन्दर स्थायि वरसे	७
तार स्थायि वरसे	९
झण्टि वरसे	११
स्वर राग ताल शास्त्र	१५
अलङ्काराः	१६
पिळ्ळारि गीतानि	२०
श्री गणनाथ	२०
कुन्द गौर	२१
केरेय नीरनु	२२
पदुमनाभ	२३
सञ्चारि गीतानि	२४
वरवीणा	२४
जय जय जय	२५
मन्दर धारे	२६
कमलजा दल	२७
कमल सुलोचन	२८

सरल वरसे

रागम् : मायामालवगौळ

तालम् : आदि

१.

॥ स रि ग म । प द । नि स* ॥

॥ स* नि द प । म ग । रि स ॥

२.

॥ स रि ग म । स रि । ग म ॥

॥ स रि ग म । प द । नि स* ॥

॥ स* नि द प । स* नि । द प ॥

॥ स* नि द प । म ग । रि स ॥

३.

॥ स रि स रि । स रि । ग म ॥

॥ स रि ग म । प द । नि स* ॥

॥ स* नि स* नि । स* नि । द प ॥

॥ स* नि द प । म ग । रि स ॥

४.

॥ स रि ग म । प म । ग रि ॥
॥ स रि ग म । प द । नि सँ ॥
॥ सँ नि द प । म प । द नि ॥
॥ सँ नि द प । म ग । रि स ॥

५.

॥ स रि ग म । प म । द प ॥
॥ स रि ग म । प द । नि सँ ॥
॥ सँ नि द प । म प । ग म ॥
॥ सँ नि द प । म ग । रि स ॥

६.

॥ स रि ग स । रि ग । स रि ॥
॥ स रि ग म । प द । नि सँ ॥
॥ सँ नि द सँ । नि द । सँ नि ॥
॥ सँ नि द प । म ग । रि स ॥

दीर्घ वरसे

रागम् : मायामालवगौळ

तालम् : आदि

१.

॥ स रि ग म । प , । प , ॥
॥ स रि ग म । प द । नि स* ॥
॥ स* नि द प । म , । म , ॥
॥ स* नि द प । म ग । रि स ॥

२.

॥ स रि ग म । प , । स , ॥
॥ स रि ग म । प द । नि स* ॥
॥ स* नि द प । म , । स* , ॥
॥ स* नि द प । म ग । रि स ॥

३.

॥ स रि ग म । प , । स रि ॥
॥ स रि ग म । प द । नि स* ॥
॥ स* नि द प । म , । स* नि ॥
॥ स* नि द प । म ग । रि स ॥

४.

॥ स रि ग म । प , । द नि ॥

॥ स रि ग म । प द । नि सँ* ॥

॥ सँ* नि द प । म , । ग रि ॥

॥ सँ* नि द प । म ग । रि स ॥

दाट्ट वरसे

रागम् : मायामालवगौळ

तालम् : आदि

१.

॥ स ग रि म । ग प । म द ॥
॥ स रि ग म । प द । नि स* ॥
॥ स* द नि प । द म । प ग ॥
॥ स* नि द प । म ग । रि स ॥

२.

॥ स म रि प । ग द । म नि ॥
॥ स रि ग म । प द । नि स* ॥
॥ स* प नि म । द ग । प रि ॥
॥ स* नि द प । म ग । रि स ॥

३.

॥ स प रि द । ग नि । म स ॥
॥ स रि ग म । प द । नि स* ॥
॥ स* म नि ग । द रि । प स ॥
॥ स* नि द प । म ग । रि स ॥

४.

॥ स ग प नि । रि म । द स* ॥

॥ स रि ग म । प द । नि स* ॥

॥ स* द म रि । नि प । ग स ॥

॥ स* नि द प । म ग । रि स ॥

मन्दर स्थायि वरसे

रागम् : मायामालवगौळ

तालम् : आदि

१.

॥ स* नि द प । म ग । रि स ॥
॥ स , स , । स , । स , ॥
॥ स नि* स रि । स रि । ग म ॥
॥ स रि ग म । प द । नि स* ॥

२.

॥ स* नि द प । म ग । रि स ॥
॥ स , स , । स , । स , ॥
॥ स नि* द* नि* । स रि । ग म ॥
॥ प म ग रि । स र । स नि* ॥
॥ स नि* स रि । स रि । ग म ॥
॥ स रि ग म । प द । नि स* ॥

३.

॥ स* नि द प । म ग । रि स ॥
॥ स , स , । स , । स , ॥
॥ स नि* द* प* । द* नि* । स रि ॥

॥ ग म प म । ग रि । स नि* ॥
॥ स नि* द* नि* । स रि । ग म ॥
॥ प म ग रि । स र । स नि* ॥
॥ स नि* स रि । स रि । ग म ॥
॥ स रि ग म । प द । नि स* ॥

तार स्थायि वरसे

रागम् : मायामालवगौळ

तालम् : आदि

१.

॥ स रि ग म । प द । नि सँ ॥
॥ सँ , सँ , । सँ , । सँ , ॥
॥ द नि सँ रि* । सँ नि । द प ॥
॥ सँ नि द प । म ग । रि स ॥

२.

॥ स रि ग म । प द । नि सँ ॥
॥ सँ , सँ , । सँ , । सँ , ॥
॥ द नि सँ रि* । सँ सँ । रि* सँ ॥
॥ सँ रि* सँ नि । द प । म प ॥
॥ द नि सँ रि* । सँ नि । द प ॥
॥ सँ नि द प । म ग । रि स ॥

३.

॥ स रि ग म । प द । नि सँ ॥
॥ सँ , सँ , । सँ , । सँ , ॥

॥ द नि स* रि* । ग* रि* । स* रि* ॥
 ॥ स* रि* स* नि । द प । म प ॥
 ॥ द नि स* रि* । स* स* । रि* स* ॥
 ॥ स* रि* स* नि । द प । म प ॥
 ॥ द नि स* रि* । स* नि । द प ॥
 ॥ स* नि द प । म ग । रि स ॥

४.

॥ स रि ग म । प द । नि स* ॥
 ॥ स* , स* , । स* , । स* , ॥
 ॥ द नि स* रि* । ग* म* । ग* रि* ॥
 ॥ स* रि* स* नि । द प । म प ॥
 ॥ द नि स* रि* । ग* रि* । स* रि* ॥
 ॥ स* रि* स* नि । द प । म प ॥
 ॥ द नि स* रि* । स* स* । रि* स* ॥
 ॥ स* रि* स* नि । द प । म प ॥
 ॥ द नि स* रि* । स* नि । द प ॥
 ॥ स* नि द प । म ग । रि स ॥

झण्टि वरसे

रागम् : मायामालवगौळ

तालम् : आदि

१.

॥ स स रि रि ग ग म म । प प द द । नि नि सं सं ॥
॥ सं सं नि नि द द प प । म म ग ग । रि रि स स ॥

२.

॥ स स रि रि ग ग म म । रि रि ग ग । म म प प ॥
॥ ग ग म म प प द द । म म प प । द द नि नि ॥
॥ प प द द नि नि सं सं । सं सं नि नि । द द प प ॥
॥ नि नि द द प प म म । द द प प । म म ग ग ॥
॥ प प म म ग ग रि रि । म म ग ग । रि रि स स ॥

३.

॥ स स रि रि ग ग रि रि । स स रि रि । ग ग म म ॥
॥ रि रि ग ग म म ग ग । रि रि ग ग । म म प प ॥
॥ ग ग म म प प म म । ग ग म म । प प द द ॥
॥ म म प प द द प प । म म प प । द द नि नि ॥
॥ प प द द नि नि द द । प प द द । नि नि सं सं ॥
॥ सं सं नि नि द द नि नि । सं सं नि नि । द द प प ॥
॥ नि नि द द प प द द । नि नि द द । प प म म ॥
॥ द द प प म म प प । द द प प । म म ग ग ॥

॥ प प म म ग ग म म । प प म म । ग ग रि रि ॥
 ॥ म म ग ग रि रि ग ग । म म ग ग । रि रि स स ॥

४.

॥ स स म म ग ग रि रि । स स रि रि । ग ग म म ॥
 ॥ रि रि प प म म ग ग । रि रि ग ग । म म प प ॥
 ॥ ग ग द द प प म म । ग ग म म । प प द द ॥
 ॥ म म नि नि द द प प । म म प प । द द नि नि ॥
 ॥ प प सँ सँ नि नि द द । प प द द । नि नि सँ सँ ॥
 ॥ सँ सँ प प द द नि नि । सँ सँ नि नि । द द प प ॥
 ॥ नि नि म म प प द द । नि नि द द । प प म म ॥
 ॥ द द ग ग म म प प । द द प प । म म ग ग ॥
 ॥ प प रि रि ग ग म म । प प म म । ग ग रि रि ॥
 ॥ म म स स रि रि ग ग । म म ग ग । रि रि स स ॥

५.

॥ स स ग ग रि रि म म । स स रि रि । ग ग म म ॥
 ॥ रि रि म म ग ग प प । रि रि ग ग । म म प प ॥
 ॥ ग ग प प म म द द । ग ग म म । प प द द ॥
 ॥ म म द द प प नि नि । म म प प । द द नि नि ॥
 ॥ प प नि नि द द सँ सँ । प प द द । नि नि सँ सँ ॥
 ॥ सँ सँ द द नि नि प प । सँ सँ नि नि । द द प प ॥

॥ नि नि प प द द म म । नि नि द द । प प म म ॥
 ॥ द द म म प प ग ग । द द प प । म म ग ग ॥
 ॥ प प ग ग म म रि रि । प प म म । ग ग रि रि ॥
 ॥ म म रि रि ग ग स स । म म ग ग । रि रि स स ॥

६.

॥ स स रि स स रि स रि । स स रि रि । ग ग म म ॥
 ॥ रि रि ग रि रि ग रि ग । रि रि ग ग । म म प प ॥
 ॥ ग ग म ग ग म ग म । ग ग म म । प प द द ॥
 ॥ म म प म म प म प । म म प प । द द नि नि ॥
 ॥ प प द प प द प द । प प द द । नि नि सं* सं* ॥
 ॥ सं* सं* नि सं* सं* नि सं* नि । सं* सं* नि नि । द द प प ॥
 ॥ नि नि द नि नि द नि द । नि नि द द । प प म म ॥
 ॥ द द प द द प द प । द द प प । म म ग ग ॥
 ॥ प प म प प म प म । प प म म । ग ग रि रि ॥
 ॥ म म ग म म ग म ग । म म ग ग । रि रि स स ॥

७.

॥ स स रि रि ग स रि ग । स स रि रि । ग ग म म ॥
 ॥ रि रि ग ग म रि ग म । रि रि ग ग । म म प प ॥
 ॥ ग ग म म प ग म प । ग ग म म । प प द द ॥
 ॥ म म प प द म प द । म म प प । द द नि नि ॥

॥ प प द द नि प द नि । प प द द । नि नि सं सं ॥
 ॥ सं सं नि नि द सं नि द । सं सं नि नि । द द प प ॥
 ॥ नि नि द द प नि द प । नि नि द द । प प म म ॥
 ॥ द द प प म द प म । द द प प । म म ग ग ॥
 ॥ प प म म ग प म ग । प प म म । ग ग रि रि ॥
 ॥ म म ग ग रि म ग रि । म म ग ग । रि रि स स ॥

७.

॥ स स स रि रि रि ग म । स स रि रि । ग ग म म ॥
 ॥ रि रि रि ग ग ग म प । रि रि ग ग । म म प प ॥
 ॥ ग ग ग म म म प द । ग ग म म । प प द द ॥
 ॥ म म म प प प द नि । म म प प । द द नि नि ॥
 ॥ प प प द द द नि सं । प प द द । नि नि सं सं ॥
 ॥ सं सं सं नि नि नि द प । सं सं नि नि । द द प प ॥
 ॥ नि नि नि द द द प म । नि नि द द । प प म म ॥
 ॥ द द द प प प म ग । द द प प । म म ग ग ॥
 ॥ प प प म म म ग रि । प प म म । ग ग रि रि ॥
 ॥ म म म ग ग ग रि स । म म ग ग । रि रि स स ॥

स्वर राग ताल शास्त्र

स्वराः

- षड्ज - प्रकृति
- रिषभ - शुद्ध (रि_१) चतुःश्रुति (रि_२) षड्श्रुति (रि_३)
- गान्धार - शुद्ध (ग_१) साधारण (ग_२) अन्तर (ग_३)
- मध्यम - शुद्ध (म_१) प्रति (म_२)
- पञ्चम - प्रकृति
- धैवत - शुद्ध (द_१) चतुःश्रुति (द_२) षड्श्रुति (द_३)
- निषाद - शुद्ध (नि_१) कैशिकी (नि_२) काकली (नि_३)

अलङ्कारः

१. चतुरश्र जाति ध्रुव ताल (। ० । ।)

॥ स रि ग म । ग रि । स रि ग रि । स रि ग म ॥
॥ रि ग म प । म ग । रि ग म ग । रि ग म प ॥
॥ ग म प द । प म । ग म प म । ग म प द ॥
॥ म प द नि । द प । म प द प । म प द नि ॥
॥ प द नि स* । नि द । प द नि द । प द नि स* ॥
॥ स* नि द प । द नि । स* नि द नि । स* नि द प ॥
॥ नि द प म । प द । नि द प द । नि द प म ॥
॥ द प म ग । म प । द प म प । द प म ग ॥
॥ प म ग रि । ग म । प म ग म । प म ग रि ॥
॥ म ग रि स । रि ग । म ग रि ग । म ग रि स ॥

२. चतुरश्र जाति मध्य ताल (। ० ।)

॥ स रि ग रि । स रि । स रि ग म ॥
॥ रि ग म ग । रि ग । रि ग म प ॥
॥ ग म प म । ग म । ग म प द ॥
॥ म प द प । म प । म प द नि ॥
॥ प द नि द । प द । प द नि स* ॥
॥ स* नि द नि । स* नि । स* नि द प ॥
॥ नि द प द । नि द । नि द प म ॥
॥ द प म प । द प । द प म ग ॥

॥ प म ग म । प म । प म ग रि ॥
 ॥ म ग रि ग । म ग । म ग रि स ॥

३. चतुरश्र जाति रूपक ताल (० ।)

॥ स रि । स रि ग म ॥
 ॥ रि ग । रि ग म प ॥
 ॥ ग म । ग म प द ॥
 ॥ म प । म प द नि ॥
 ॥ प द । प द नि स* ॥
 ॥ स* नि । स* नि द प ॥
 ॥ नि द । नि द प म ॥
 ॥ द प । द प म ग ॥
 ॥ प म । प म ग रि ॥
 ॥ म ग । म ग रि स ॥

४. मिश्र जाति झम्प ताल (। ७ ०)

॥ स रि ग स रि स रि । ग । म , ॥
 ॥ रि ग म रि ग रि ग । म । प , ॥
 ॥ ग म प ग म ग म । प । द , ॥
 ॥ म प द म प म प । द । नि , ॥
 ॥ प द नि प द प द । नि । स* , ॥

॥ स^{*} नि द स^{*} नि स^{*} नि । द । प , ॥
 ॥ नि द प नि द नि द । प । म , ॥
 ॥ द प म द प द प । म । ग , ॥
 ॥ प म ग प म प म । ग । रि , ॥
 ॥ म ग रि म ग म ग । रि । स , ॥

५. तिश्च जाति त्रिपुट ताल (। ० ०)

॥ स रि ग । स रि । ग म ॥
 ॥ रि ग म । रि ग । म प ॥
 ॥ ग म प । ग म । प द ॥
 ॥ म प द । म प । द नि ॥
 ॥ प द नि । प द । नि स^{*} ॥
 ॥ स^{*} नि द । स^{*} नि । द प ॥
 ॥ नि द प । नि द । प म ॥
 ॥ द प म । द प । म ग ॥
 ॥ प म ग । प म । ग रि ॥
 ॥ म ग रि । म ग । रि स ॥

६. खण्ड जाति अट्ट ताल (। । ० ०)

॥ स रि , ग , । स , रि ग , । म , । म , ॥
 ॥ रि ग , म , । रि , ग म , । प , । प , ॥

॥ ग म , प , । ग , म प , । द , । द , ॥
 ॥ म प , द , । म , प द , । नि , । नि , ॥
 ॥ प द , नि , । प , द नि , । स* , । स* , ॥
 ॥ स* नि , द , । स* , नि द , । प , । प , ॥
 ॥ नि द , प , । नि , द प , । म , । म , ॥
 ॥ द प , म , । द , प म , । ग , । ग , ॥
 ॥ प म , ग , । प , म ग , । रि , । रि , ॥
 ॥ म ग , रि , । म , ग रि , । स , । स , ॥

५. चतुरश्र जाति एक ताल (।)

॥ स रि ग म ॥ रि ग म प ॥
 ॥ ग म प द ॥ म प द नि ॥
 ॥ प द नि स* ॥ स* नि द प ॥
 ॥ नि द प म ॥ द प म ग ॥
 ॥ प म ग रि ॥ म ग रि स ॥

पिळ्ळारि गीतानि

श्री गणनाथ

रागम् : मलहरी

आरोहणम् : स रि१ म१ प द१ स*

अवरोहणम् : स* द१ प म१ ग३ रि१ स

तालम् : रूपक

रचयिता : श्री पुरन्दर दास

॥	म	प	द	स*	स*	रि*	॥	रि*	स*	द	प	म	प	॥
श्री		ग	ण	ना	थ	सिन्	धू	र	व	र्ण				
सिद्	ध	चा		र	ण	ग	ण	से		वि	त			
स	क	ल	वि	द्या		आ	दि	पू		जि	त			

॥	रि	म	प	द	म	प	॥	द	प	म	ग	रि	स	॥
क	रु	ण	सा	ग	रा	क	रि	व	द	ना				
सिद्	धि	वि	ना	य	का	ते		न	मो	न	मो			
सर्	वो		त्त	म	ते			न	मो	न	मो			

॥	स	रि	म	,	ग	रि	॥	स	रि	ग	रि	स	,	॥
लम्	बो		द	र	ल	कु	मि	क	र					

॥	रि	म	प	द	म	प	॥	द	प	म	ग	रि	स	॥
अम्	बा		सु	त	अ	म	र	वि	नु	त				

कुन्द गौर

रागम् : मलहरी

आरोहणम् : स रि१ म१ प द१ स*

अवरोहणम् : स* द१ प म१ ग३ रि१ स

तालम् : रूपक

रचयिता : श्री पुरन्दर दास

॥	द	प	म	ग	रि	स	॥	रि	म	प	द	म	प	॥
कुन्	द	गौ			र		गौ	रि	व	र				
चन्	द	मा			म		मन्	दा	कि	नि				
हि	म	कू			ट		सिम्	हा	स	न				
॥	द	रि*	रि*	स*	द	प	॥	द	प	म	ग	रि	स	॥
मन्	दि	रा			य		मा	न	म	कु	ट			
मन्	दि	रा			य		मा	न	म	कु	ट			
वि	रु	पा			क्ष		क	रु	णा	क	र			
॥	स	,	रि	,	रि	,	॥	द	प	म	ग	रि	स	॥
मन्		धा			रा		कु	सु	मा	क	र			
॥	स	रि	प	म	ग	रि	॥	स	रि	ग	रि	स	,	॥
म	क	रन्			दं		व	सि	तु	रे				

केरेय नीरनु

रागम् : मलहरी

आरोहणम् : स रि१ म१ प द१ स*

अवरोहणम् : स* द१ प म१ ग३ रि१ स

तालम् : तिस्र त्रिपुट

रचयिता : श्री पुरन्दर दास

॥	द	स*	स*	।	द	प	।	म	प	॥	द	द	प	।	म	म	।	प	,	॥
॥	के	रे	य	।	नी		।	र	नु	॥	के	रे	गे	।	चेल्		।	लि		॥
॥	श्री		पु	।	रन्		।	द	र	॥	वि	ठु	ल	।	रा		।	य	न	॥
॥	द	द	स*	।	द	प	।	म	प	॥	द	द	प	।	म	ग	।	रि	स	॥
॥	व	र	व	।	प	डे	।	द	व	॥	रन्		ते	।	का		।	णि	रो	॥
॥	च	र	ण	।	क	म	।	ल	व	॥	नम्		बि	।	ब	दु	।	कि	रो	॥
॥	स	रि	रि	।	स	रि	।	स	रि	॥	द	द	प	।	म	ग	।	रि	स	॥
॥	ह	रि	य	।	क	रु	।	ण	दो	॥	ला		द	।	भ		।	ग्य	व	॥
॥	द	प	द	।	स*	,	।	द	प	॥	द	द	प	।	म	ग	।	रि	स	॥
॥	ह	रि	स	।	मर्		।	प	णे	॥	मा		डि	।	ब	दु	।	कि	रो	॥

पदुमनाभ

रागम् : मलहरी

आरोहणम् : स रि१ म१ प द१ स*

अवरोहणम् : स* द१ प म१ ग३ रि१ स

तालम् : तिस्र त्रिपुट

रचयिता : श्री पुरन्दर दास

॥ रि स द* । स , । स , ॥ म ग रि । म म । प , ॥	
॥ प दु म । ना । भ ॥ प र म । पु रु । ष ॥	
॥ वि दु र । वन् । द्य ॥ वि म ल । च रि । त ॥	
॥ स द , । द प । म प ॥ द द प । म ग । रि स ॥	
॥ प रञ् । ज्यो । ति ॥ स्व रु । प । ॥	
॥ वि हङ् । गा । व ॥ रो ह । ण । ॥	
॥ प म प । द स* । द स* ॥ रि स* द । द स* । द प ॥	
॥ उ द धि । नि वा । स ॥ उ र ग । श य । न ॥	
॥ द द प । प , । प म ॥ रि म म । प , । प , ॥	
॥ उ न्न । तो । न्न त ॥ म हि । मा । ॥	
॥ द द प । प , । प म ॥ रि रि म । म ग । रि स ॥	
॥ य दु कु । लो । त्त म ॥ य ज्ञ । र । क्ष क ॥	
॥ स , स । द द । द प ॥ प , प । म ग । रि स ॥	
॥ अा ज्ञ । शि । क्ष क ॥ रा म । ना । म ॥	
॥ द स* , । द प । म प ॥ द द प । म ग । रि स ॥	
॥ वि भी । ष ण । प ॥ ल क । न मो । न मो ॥	
॥ द स* , । द प । म प ॥ द द प । म ग । रि स ॥	
॥ वि भो । व र । दा ॥ य क । न मो । न मो ॥	
॥ प म प । द स* । द स* ॥ रि स* द । द स* । द प ॥	
॥ शु भ । प्र द । सु म ॥ नो र । द । सु ॥	
॥ द द प । प , । प म ॥ रि म म । प , । प , ॥	
॥ रे न्द्र । म । नो ॥ रञ् ज । न । ॥	
॥ द द प । प , । प म ॥ रि रि म । म ग । रि स ॥	
॥ अ भि । न । व पु ॥ रन् द । र । ॥	
॥ स , स । द द । द प ॥ प , प । म ग । रि स ॥	
॥ वि ठु ल । भल् । ल रे ॥ रा म । ना । म ॥	

सञ्चारि गीतानि

वरवीणा

रागम् : मोहनम्

आरोहणम् : स रि_२ ग_३ प द_२ स^{*}

अवरोहणम् : स^{*} द_२ प ग_३ रि_२ स

तालम् : रूपकम्

रचयिता : श्री अप्पैय दीक्षितर्

॥ ग ग प , प , ॥ द प स [*] , स [*] , ॥
व र वी णा मृ दु पा णी
॥ रि [*] स [*] द द प , ॥ द प ग ग रि , ॥
व न रु ह लो च न रा णी
॥ ग प द स [*] द , ॥ द प ग ग रि , ॥
सु रु चि र बम् ब र वे णी
॥ ग ग द प ग रि ॥ प ग ग रि स , ॥
सु र नु त कल् या णी
॥ ग ग ग ग रि ग ॥ प ग प , प , ॥
नि रु प म शु भ गु ण लो ला
॥ ग ग द प द , ॥ द प स [*] , स [*] , ॥
नि र त ज या प्र द शी ला
॥ द ग [*] रि [*] ग [*] रि [*] स [*] ॥ रि [*] स [*] द स [*] द प ॥
व र दा प्रि य र ङ्ग ना य की
॥ ग प द स [*] द प ॥ द प ग ग रि स ॥
वा च्छि त फ ल दा य की
॥ स रि ग , ग , ॥ ग रि प ग रि , ॥
स र सि जा स न ज न नी
॥ स रि स ग रि स ॥
ज य ज य ज य

जय जय जय

रागम् : बेगड

आरोहणम् : स ग३ रि२ ग३ म१ प द२ प स*

अवरोहणम् : स* नि३ द२ प म१ ग३ रि२ स

तालम् : तिस्र त्रिपुट

रचयिता : *

॥ म ग म । प , । द प ॥ नि२ द प । म ग । म प ॥
॥ ज य ज । य । ज य ॥ वि ज य । वि नु । ता ॥
॥ स* नि स* । द प । स* , ॥ स* नि स* । रि स* । म* ग* ॥
॥ वि म ल । च रि । ता ॥ वि नु त । हि त । को ॥
॥ रि स* नि । स* रि । स* नि ॥ स* नि स* । द नि । प द ॥
॥ कि ल । ली । ला ॥ अ । । ॥
॥ नि२ द प । म ग । रि स ॥ म ग म । रि ग । म प ॥
॥ अ । । ॥ म धु रे । मी । ना ॥
॥ स* नि स* । द प । स* , ॥
॥ । । क्षी ॥

मन्दर धारे

रागम् : काम्भोजी

तालम् : अादि

आरोहणम् : स रि२ ग३ म१ प द२ स*

रचयिता : श्री पैदल गुरुमूर्ति शास्त्री

अवरोहणम् : स* नि२ द२ प म१ ग३ रि२ स नि३ प३ द३ स३

॥ स*	,	नि३	प		द	द		स*	॥
॥ मन्		द	र		धा			रे	॥
॥ द	स*	रि*	म*		ग*	ग*		रि*	स*
॥ मो		क्ष	मु		रा			रे	॥
॥ स*	रि*	स*	स*		नि	नि		द	प
॥ दै		त्य	सं		हा			रे	॥
॥ द	द	प	म		ग	म		प	,
॥ पा		व	न		मू			ते	॥
॥ ग	प	द	स*		नि	नि		द	प
॥ अ	र	वि	न्द		न	य		न	॥
॥ द	द	प	म		ग	ग		रि	स
॥ व	ट	प	त्र		श	य		न	॥
॥ ग	प	प	द		द	स*		स*	रि*
॥ अ					अ				॥
॥ रि*	प*	म*	ग*		रि*	ग*		रि*	स*
॥ अ					अ				॥
॥ स*	रि*	स*	स*		नि	नि		द	प
॥ दै		त्य	सं		हा			रे	॥
॥ द	द	प	म		ग	म		प	,
॥ पा		व	न		मू			ते	॥
॥ ग	प	द	स*		नि	नि		द	प
॥ प	द	शु	भ		रे			ख	॥
॥ द	द	प	म		ग	ग		रि	स
॥ म	कु	ट	म		यू			र	॥
॥ स*	,	नि३	प		द	द		स*	॥
॥ मन्		द	र		धा			रे	॥

कमलजा दल

रागम् : कल्याणी

आरोहणम् : स रि२ ग३ म२ प द२ नि३ स*

अवरोहणम् : स* नि३ द२ प म२ ग३ रि२ स

तालम् : तिश्च त्रिपुट

रचयिता : श्री पुरन्दर दास

॥ स* स* स* । नि द । नि स* ॥ नि द प । द प । म प ॥
॥ क म ल । जा । द ल ॥ वि म ल । सु न । य न ॥
॥ ग म प । प द । द नि ॥ द प म । प ग । रि स ॥
॥ क रि व । र द । क रु ॥ णाम् बु । धे । ॥
॥ द* नि* द* । ग रि । ग , ॥ म प , । म ग । रि स ॥
॥ क रु ण । शा र । दे ॥ क म । ला । ॥
॥ रि स रि । स , । स , ॥ ग म प । म प । द प ॥
॥ कान् । त । ॥ कम् स । न र । का ॥
॥ नि द प । द प । म प ॥ ग म प । प द । द नि ॥
॥ सु र वि । भे । द न ॥ व र द । वे । ला ॥
॥ द प म । प ग । रि स ॥ द* नि* द* । ग रि । ग , ॥
॥ पु र सु । रोत् । त म ॥ क रु ण । शा र । दे ॥
॥ म प , । म ग । रि स ॥ रि स रि । स , । स , ॥
॥ क म । ला । ॥ कान् । त । ॥

कमल सुलोचन

रागम् : आनन्द भैरवी

तालम् : एक

आरोहणम् : स ग_२ रि_२ ग_२ म_१ प द_२ प स^{*}

रचयिता : श्री पुरन्दर दास

अवरोहणम् : स^{*} नि_२ द_२ प म_१ ग_२ रि_२ नि_२ स

॥ नि द नि स [*] ॥ स [*] , स [*] स [*] ॥ ग [*] रि [*] स [*] नि ॥ नि द प म ॥
॥ क म ल सु ॥ लो च न ॥ वि म ल त ॥ टा कि नी ॥
॥ प प , द ॥ नि द प म ॥ म प म प ॥ ग रि स , ॥
॥ म रा ल ॥ गा मि नी ॥ क रि ह र ॥ म ध्ये ॥
॥ स , नि , ॥ स ग ग म ॥ ग म प म ॥ ग , रि नि [*] ॥
॥ बि म् बा ॥ द रे या ॥ न न वि दु ॥ मण् ड ल ॥
॥ स , स , ॥
॥ रे रे ॥
॥ प , म ग ॥ म , ग रि ॥ ग , रि नि [*] ॥ स , स , ॥
॥ च न् द न ॥ कु ड् कु म ॥ प ड् क ज ॥ रे रे ॥
॥ प प म ग ॥ म म ग रि ॥ ग ग रि नि [*] ॥ स , स , ॥
॥ प रि म ल ॥ क स् तू रि ॥ ति ल क द ॥ रे रे ॥
॥ स ग रि ग ॥ म ग म , ॥ म नि द नि ॥ प द नि स [*] ॥
॥ जा जि ॥ शै या ॥ क च कु च ॥ घ न ज ग ॥
॥ ग [*] रि [*] स [*] नि ॥ नि द प म ॥ प प , द ॥ नि द प म ॥
॥ ना द म् ॥ बो रु ह ॥ म रा ल ॥ गा मि नी ॥
॥ म प म प ॥ ग रि स , ॥ स , नि , ॥ स ग ग म ॥
॥ क रि ह र ॥ म ध्ये ॥ बि म् बा ॥ द रे या ॥
॥ ग म प म ॥ ग , रि नि [*] ॥ स , स , ॥
॥ न न वि दु ॥ मण् ड ल ॥ रे रे ॥

रागाः

आनन्द भैरवी
कमल सुलोचन, २८
कल्याणी
कमलजा दल, २७
काम्भोजी
मन्दर धारे, २६
बेगड
जय जय जय, २५
मलहरी
कुन्द गौर, २१
केरेय नीरनु, २२
पदुमनाभ, २३
श्री गणनाथ, २०
मोहनम्
वरवीणा , २४

रचयिता

*

जय जय जय, २५

श्री अप्पैय दीक्षितर्
वरवीणा, २४

श्री पुरन्दर दास
कमल सुलोचन, २८
कमलजा दल, २७
कुन्द गौर, २९

केरेय नीरनु, २२

पदुमनाभ, २३

श्री गणनाथ, २०

श्री पैदल गुरुमूर्ति शास्त्री
मन्दर धारे, २६